2009 ✓ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकण्डरी परीक्षा

मध्यप्रदेश

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 4 3 0 परीक्षा का विषय पशुपालन

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 23-3-09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2052	

केन्द्र क्रमांक की सील

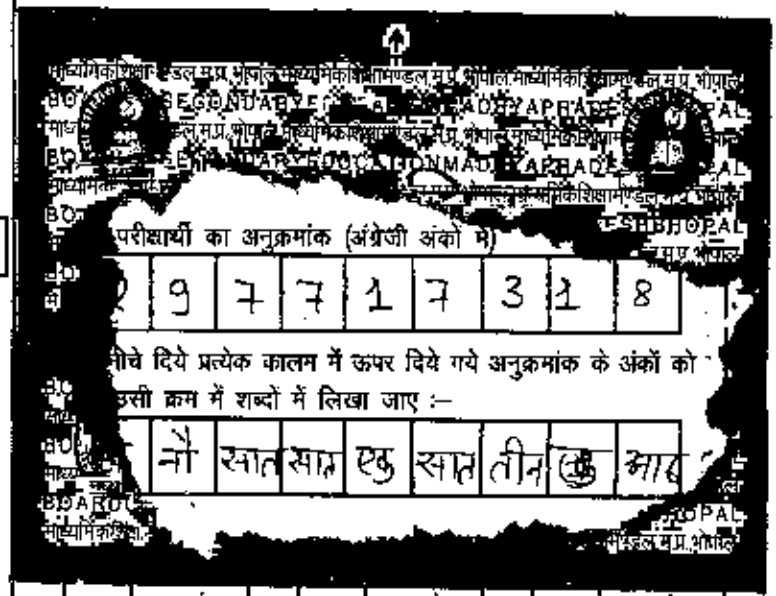

C. No. - 771016

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	7	7	1	7	3	1	8

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

[illegible]	नौ	सात	सात	एक	सात	तीन	एक	आठ

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक हाल में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ________

नाम ________ पद ________

पता/संस्था ________

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक
1	2		11	11		21		
2	2		12	11		22		
3	3		13	12/13		23		
4	3		14	14		24		
5	4		15	15		25		
6	5		16	16/		26		
7	6		17			27		
8	7		18			28		
9	8		19			29		
10	9		20			30		
कुल प्राप्तांक								

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या ... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का ... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) ________ हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 73CDD8 दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोडें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

प्र. 1.
Ans
(अ राजस्थान
(ब मेरिनो
(स सिंधी
(द वायरस
(इ पुलोरम

प्र. 2
Ans
सोंगरी = मत्स्य
गुरेज = भेड़
माल्टा ज्वर = गलघोंटू
विषाणु = न्यूकैसिल्स
कारिता का सिद्धांत = समानता

B S E M P

प्र. 3
Ans
(95%
(i स्पेन
(iii पुलोरम या बेसेलरी व्हाइट डेहरिया
(iv) 2 फुट
(v) 114 दिन

5
(i) - स्पेन 1965
(ii) - एन्थ्रेक्स / बिसज्वर
(iii) - 20 से 21 दिन
(iv) - 250 मुर्गियाँ
(v) - रोग

पृष्ठ के अंकों का योग

4

प्र. 5

Ans

(1). बर्डिजो कैस्ट्रेटर - यह धातु का बना चिमटे की तरह का यंत्र होता है। इसका प्रयोग नर पशुओ को बधियाकरण करने के लिए किया जाता है। इससे वृषण मे रक्त जाने वाली धमनी को काट देते है। जिससे वृषण निष्क्रिय हो जाता है।

[2] थन साइफन - इसका उपयोग थनैला रोग मे थनो के छिद्रो के माध्यम से दवाई पहुचाने के लिए किया जाता है।

[3] कैथेटर - यह एक पतली नली होती है इसका उपयोग रुकी हुई पेशाब निकालने के लिए किया जाता है।

[4] डोकिंग मशीन - इसे (टेल कटर) भी कहते है इसका प्रयोग पशु की पूंछ काटने के लिए किया जाता है।

BSEMP

5 +] =

अंक

प्र. 8

Ans

उपयोगिता के आधार पर बकरियों का वर्गीकरण

1. दुग्ध देने वाली नस्ले · जमुनापारी, मेवाड़ी, सूरती

2. माँस देने वाली नस्ले - चंगम, तेगु, बंगाल

3. द्विकाजी नस्ले · जमुनापारी, मारवाड़ी, बरबरी (सिरोही गोर)

4. ऊन देने वाली नस्ले - चम्बा, पश्मीना (कश्मीरी)

भार ढोने वाली नस्ले - गद्दी, ~~चम्बा~~ चम्बा

B
S
E
P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र - 7

Ans -

खुरपका - मुँहपका रोग (F.O.D)

1. रोग का कारण - A, O, C वायरस (विषाणु)

2 लक्षण - (i) पशु के पैर एवं मुँह मे छाले पड़कर फूट जाते है जिससे घाव का रूप ले लेते है।

(ii) पशु बार बार जमीन मे पैर पटकता है।

(iii) पशु लंगड़ाता है।

(iv) पशु के मुँह से लार टपकती है।

(v) पशु चारा - दाना खाना बंद कर देता है।

(v) पशु जुगाली करना बंद कर देता है।

(vi) पशु बैचेन दिखाई देता है।

मृत्युदर - इस रोग से ग्रसित पशु (80-90%) की मृत्यु हो जाती है। तथा इससे ग्रसित पशु हमेशा के लिए कमजोर हो जाते है।

BSEM

पृष्ठ के अंक का योग

प्र.8

Ans

इसके लिए सर्वप्रथम शुद्ध एवं ताजा दूध लेते है। दूध को 62.5°C ताप पर आधा घण्टा गर्म करते है तथा फिर इसे 72°C ताप पर 10 सेकेण्ड के लिए गर्म करते है पुन: इसे ठंडा करके 30°C ताप पर ले आते है। अब इसमे जीवाणु संवर्ध (रैनेट) 0.5 से 1% तक मिलाते है। जिससे केस्पीन या छेना 4-5 घंटे मे जम जाता है। फिर इसे एक विशेषप्रकार की चाकू से काट लेते है। फिर इसे गर्म पानी मे गर्म करते है। जिससे ये टुकड़े मठा (तोड) के पर तैरने लगते है। पुन: इन्हे निकालकर दबाकर पानी निकाल लिया जाता है फिर इसमे नमक मिलाया जाता है।

चेडडर पनीर का संगठन

क्र.	अवयव	प्रतिशत मात्रा
1.	जल	37 %.
2	वसा	32.2 %.
3.	प्रोटीन	25 %.
4	भस्म	2.10 %.
5	लैक्टोज	3.70 %.

B S E M

यो

मध्यप्रदेश

प्र.9

Ans -

घी को प्रभावित करने वाले कारण

1. पशु की आयु एवं किस्म. यदि पशु की आयु कम है अर्थात वह जवान है तो उसके दूध से बनाया गया घी अच्छी किस्म का होगा।

2. घी बनाने में प्रयोग किए गए बर्तन - यदि घी बनाने के लिए पूर्ण निजर्मीकृत बर्तनों का प्रयोग किया जाता है तो घी अच्छी किस्म का बनता है तथा शीघ्र खराब नहीं होता है।

3 घी बनाने की विधि - यदि घी बनाने की उचित विधि प्रयोग की गई है तथा अच्छे तरीके से घी बनाया गया है तो यह घी के गुण को प्रभावित करता है।

4. घी को उचित समय तक पकाना - घी को यदि एक निश्चित समय तक पकाया जाता है तो घी अच्छा बनता है। तथा शीघ्र खराब नहीं होता है।

पशु की ब्यात की स्थिति - यदि पशु के ब्याने के कुछ दिन बाद लगभग 2-3 महीने बाद घी अच्छा बनता है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का

प्र· 10

Ans- गहरी बिछाली पद्धति (डीप लीटर प्रणाली) - इसमे मुर्गियों को जिस घर मे रखा जाता है उसमे लकड़ी का बुरादा, चूना, राख इत्यादि की तह कमरे मे बिछाई जाती है इसमे मुर्गी पालन किया जाता है। इस पद्धति को गहरी बिछाली ~~पद्धति~~ पद्धति कहते है।

डीप लिटर पद्धति से लाभ

1. इस विधि से मुर्गी पालन मे मुर्गिया लोट पोट करने से स्वस्थ रहती है उनका व्यायाम हो जाता है।
2. इस विधि मे बाद मे जो बिछाली निकाली जाती है वह एक अच्छी खाद होती है।
3. इसमे गोबर की खाद की अपेक्षा कई गुना N.P.K प्राप्त होता है।
4. इसमे पानी, मल, मूत्र शीघ्र सूख जाता है।
5. इस विधि अधिक से अधिक मुर्गियो की देखभाल केवल एक व्यक्ति कर सकता है।

BSEMP

प्र. 11
Ans.

उत्तम बैल के लक्षण

1. बैल अपनी नस्ल के अनुसार पूर्णत: शुद्ध होना चाहिए।
2. बैल की उम्र 3-4 वर्ष होना चाहिए अत: बैल जवान होना चाहिए।
3. बैल का सीना चौड़ा एवं अगले पैर मजबूत होने चाहिए।
4. बैल पुट्ठे ढालू होने चाहिए।
5. बैल क्रोधी, मारने वाला, अड़ियल नहीं होना चाहिए
6. बैल के सींग छोटे एवं गुठले होने चाहिए।
7. बैल का सामने का हिस्सा पीछे की अपेक्षा भारी होना चाहिए।
8. बैल की त्वचा लचीली मुलायम तथा चर्बीरहित होना चाहिए।
9. बैल की पीठ दृढ़ होना चाहिए।
बैल रंग एवं दिखने में सामान्य हो।

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

प्र. 12

Ans. आइसक्रीम के गुणों को प्रभावित करने वाले कारक

1. मिश्रण तैयार करने का ढंग - आइसक्रीम बनाने के लिए किस प्रकार का मिश्रण तैयार किया गया है तथा उपकरणों की साफ सफाई पर यदि विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। ऐसा करने पर अच्छी किस्म की आइसक्रीम बनती है।

2. मिश्रण मे उपयोग किए गए पदार्थ - आइसक्रीम बनाने के लिए अच्छी प्रकार की सामग्री प्रयोग करना चाहिए नहीं तो आइसक्रीम के गुण प्रभावित होते हैं।

3. बनाने की विधि - आइसक्रीम अच्छी विधि से तैयार किया जाना चाहिए नहीं तो गुणों को प्रभावित करती है।

सुवासित पदार्थों का प्रयोग - आइसक्रीम बनाने के लिए अच्छी किस्म के सुवासित पदार्थ प्रयोग करना चाहिए।

5. भण्डारण - आइसक्रीम का भंडारण कम तापमान पर करना चाहिए।

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्र. 13

Ans - संघनित दूध - यदि दूध मे से कुछ मात्रा पानी की निकाल दी जाए तथा उसमे शक्कर मिला दी जाए तो इस प्रकार तैयार गाढ़ा दूध संघनित दूध कहलाता है।

संघनित दूध तैयार करने की विधि

1 दूध का मानकीकरण - दूध को चुनाव शुद्ध एवं ताजा करना चाहिए। दूध मे कुल वसा तथा वसा रहित ठोस को अनुपात 1 : 22 होना चाहिए।

2 दूध का पाश्चुराइजेशन - दूध को 70 - 75 °C ताप पर 10 मिनट तक गर्म करते है।

2 शक्कर मिलाना - एक मिक्सिंग टैंक मे शक्कर मिलाई जाती है।

शोषण कुंड मे दूध का संघनन - दूध को शक्कर मिलाने के पश्चात शोषण कुंड मे पहुचाया जाता है जहां गर्म भाप जोड़ी जाती है जिससे संपर्क मे आते ही दूध का कुछ पानी वाष्प बनकर उड़ जाता है। इस प्रकार दूध को एक टैंक मे एकत्रित कर लिया जाता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

5. पैकिंग - दूध को पुनः 15.5 से 17.5 °C तक ठंडा करते हैं। इसके बाद डिब्बो तथा बोतलो मे भर दिया जाता है।

6. भण्डारण - संघनित दूध का भण्डारण ठंडे स्थानो मे करना चाहिए।

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

प्र. 14

Ans. भारत मे मुर्गीपालन विकास मे आने वाली बाधाएं

1. पूंजी की कमी - भारतीय किसानो के पास पर्याप्त पूंजी न होने से मुर्गी पालन नही कर सकता है। यह कारण मुर्गीपालन विकास मे बाधा हो सकता है।

2. आहार की कमी - मुर्गियो के आहार आधा भाग दाने से देना पड़ता है जो कि यहां के लोगो के पर्याप्त मात्रा उपलब्ध न होने से मुर्गी पालन विकास नही हो रहा है।

3. अण्डे खाने मे अंधविश्वास - भारतीय लोग अण्डे को मांसाहारी मानते है परन्तु यह धारणा अब वैज्ञानिको ने समाप्त कर दी है। इसे शाकाहारी माना गया है।

4. यातायात की समस्या - भारत मे यातायात की समस्या है जिसके कारण अधिक अण्डे परिवहन के समय नष्ट हो जाते है।

5. भंडारण की समस्या - भंडारण की उचित व्यवस्था न होने से अण्डे अंकुर अधिक ताप के कारण नष्ट हो जाते है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्र - 15

Ans -

मुर्गियो को रोगो से बचाने के उपाय

1. मुर्गियो को संतुलित भोजन देकर अस्थ्य कई रोगो से बचाया जा सकता है।
2. पानी उचित मात्रा एवं शुद्ध जल का प्रयोग करके रोगो से बचाया जा सकता है।
3. मुर्गियो की बिछाली गीली नही होना चाहिए।
4. मुर्गियो के घर का तापमान उचित रहना चाहिए।
5. मुर्गियो को ठंड मे ठंड तथा गर्मी मे गर्मी से बचाना चाहिए।
6. मुर्गियो को समय समय पर रोगरोधी टीके लगवाना चाहिए
7. मुर्गियों के घर की नियमित सफाई करनी चाहिए।
8. मुर्गियों की देखभाल करने वाला व्यक्ति अपने जूतो एवं पैरो को निर्जमीकृत करने के बाद अंदर आए
9. मुर्गी शाला मे वर्ष मे 2-3 बार विषय ~~[illegible]~~ विशेषज्ञ आना चाहिए
10. मुर्गियो मे रोग फैलने की संभावना पर पशु चिकित्सक को दिखाना चाहिए।

का योग

मध्यप्रदेश

प्र. 16

Ans

हे - घास की सूखी अवस्था को हे कहते है। हे बनाने से अनेक लाभ होते है। जब हरा चारा प्राप्त नही होता तब हमे हे का प्रयोग करना चाहिए।

हे अत्यंत पाचक होती है। हे पौष्टिक होती है। ये जीवन निर्वाह आहार के रूप मे प्रयोग की जाती है।

हे बनाते समय पोषक तत्वो की हानि के कारण

1. रंग उड़ने से हानि - यदि हे को धूप मे सुखाया जाता है तो उसका रंग उड़ जाता है। जिससे बहुत से पोषक तत्वो की हानि होती है।

2. लीचिंग द्वारा हानि - यदि हे मे पानी पड़ जाता है तो हे के कुछ पोषक तत्व रिस कर नष्ट हो जाते है।

3. पत्तियो के गिरने से हानि. हे पत्तियाँ अधिक होने से अच्छी किस्म की मानी जाती है यदि पत्तियाँ गिर जाती है तो काफी पोषक तत्वो की हानि होती है।

4. किण्वन द्वारा हानि - यदि हे मे किण्वन होता है तो अनेक पोषक तत्वो की हानि CO_2 तथा पानी के रूप मे हो जाती है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

5. धूप से हानि - धूप से हे को काफी हानि होती है कैरोटीन की काफी मात्रा धूप के प्रभाव से उड़ जाती है।

BSEMP

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 16 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(22)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग